मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 199, मुंबई, शुक्रवार, 16 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
दैनिक
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान को फार्महाउस के रास्ते में
मारने की थी साजिश

शूटर्स ने डेढ़ महीने पनवेल फार्महाउस पर रखी नजर

लॉरेंस ने 2018 में जोधपुर कोर्ट में पेश किए जाने के दौरान सलमान को मारने की धमकी दी थी

लॉरेंस गैंग ने 3 महीने में 2 बार की कोशिश

संवाददाता / मुंबई। सलमान खान पिछले 4 साल से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर हैं। इस गैंग ने इन सालों में एक्टर की हत्या करने की पहले 4 बार कोशिशें कीं। अब पंजाब पुलिस ने गुरुवार को इस मामले में नया खुलासा किया है। इसके अनुसार लॉरेंस गैंग ने पिछले तीन महीने में सलमान पर हमले की दो और कोशिशें कीं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

वेदांत–फॉक्सकॉन प्रोजेक्ट गुजरात जाने से सिर्फ महाराष्ट्र ही नहीं, देश का भी नुकसान

कांग्रेस का दावा

संवाददाता / मुंबई। वेदांत-फॉक्सकॉन प्रोजेक्ट गुजरात चले जाने से महाराष्ट्र का ही नहीं, देश का भी नुकसान हुआ है। कांग्रेस ने यह दावा किया है। गुजरात का ढोलेरा इलाका जहां यह प्रोजेक्ट ले जाया गया है वहां पानी की कमी है, आसपास उनते स्किल्ड लेबर नहीं हैं जितने महाराष्ट्र के पुणे के पास तलेगांव में हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

'ढोलेरा की ढोल पहले ही फटी हुई, जिद की वजह से ही कीमत बची हुई'

सचिन सावंत ने यह आरोप लगाया है कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात में कई अव्यावहारिक प्रोजेक्ट लाकर हजारों करोड़ रुपए डुबाए। ढोलेरा एक ऐसा ही डूबा हुआ प्रोजेक्ट है। देश में सेमीकंडक्टर के उत्पादन के लिए जो 10 अरब डॉलर के प्रस्ताव मंगवाए गए थे, उसके तहत तीन कंपनियों ने अर्जी दी थी। उनमें से एक आईएसएमसी डिजिटल भी थी। यह कंपनी ढोलेरा में पानी की कमी की वजह से भाग गई। वो भी गुजरात सरकार के साथ एमओयू साइन होने के बाद चली गई।

बेरहम ट्यूशन टीचर!

मुंबई में टीचर ने बच्ची को गर्म चिमटे से जलाया

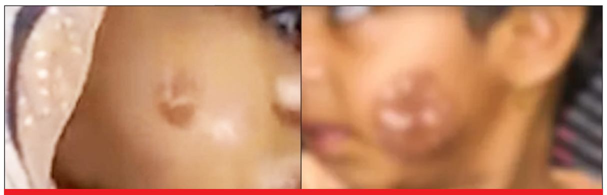

बच्ची बोल नहीं पा रही थी, साथियों ने हाल बयां किया

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई के पनवेल में एक ट्यूशन टीचर ने 3 साल की बच्ची को गर्म चिमटे से जला दिया। घटना 8 सितंबर की है। इसका वीडियो अब सामने आया है। खारघर की एक सोसाइटी में रहने वाली 3 साल की बच्ची ट्यूशन पढ़ने गई थी। वह होमवर्क नहीं कर पाई थी इसलिए टीचर ने उसे सजा देने के लिए गर्म चिमटे से जला दिया। उसके पूरे शरीर पर कई जगह जलने के जख्म हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

लखीमपुर में दोनों बहनों का हुआ अंतिम संस्कारः गैंगरेप के बाद गला दबाकर मर्डर किया, फिर पेड़ से लटकाया, पोस्टमॉर्टम में पुष्टि

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर में दोनों दलित बहनों का 24 घंटे बाद गुरुवार शाम 5 बजे अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे पहले परिजन नौकरी और मुआवजे की मांग को लेकर अड़ गए थे, लेकिन प्रशासन के आश्वासन के बाद परिवार वाले मान गए। इससे पहले परिवार की मौजूदगी में दोनों लड़कियों के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। यह करीब 3 घंटे चला। 3 डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमॉर्टम किया। वीडियोग्राफी भी कराई गई। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

हमारी बात

गोवा में फिर टूट

गोवा में कांग्रेस विधायक दल में टूट पार्टी के लिए कतई अच्छी खबर नहीं है। सवाल है कि जब देश की सबसे पुरानी पार्टी के शीर्ष नेता ‘भारत जोड़ो यात्रा’ पर निकले हैं, तब गोवा में पार्टी के आठ विधायकों ने पाला क्यों बदला? वहां अब पार्टी के सिर्फ तीन विधायक बचे हैं। ये विधायक दलबदल कर सत्तारूढ़ भाजपा में चले गए हैं। राजनीति और राजनीतिक दबाव अपनी जगह है, लेकिन गोवा में कांग्रेस का निरंतर कमजोर होना अपने आप में अध्ययन का विषय है। ऐसे दलबदल के लिए कभी प्रलोभन, तो कभी भयादोहन को जिम्मेदार माना जाता है, लेकिन ऐसा कांग्रेस के साथ बार-बार हो रहा है, तो उसकी चिंता बढ़ जानी चाहिए। क्या पार्टी का वैचारिक आधार कमजोर हुआ है? क्या पार्टी अपने नेताओं तक अपनी वैचारिक मजबूती का संचार करते रहने में नाकाम हो रही है? किसी पार्टी के पास सत्ता न हो, तो उसके नेताओं का राजनीति में टिकना चुनौतीपूर्ण होता है, तब पार्टी के इतिहास, भूगोल और भविष्य की संभावनाओं का आकलन करके ही नेता उसमें टिक पाते हैं। आज की राजनीति में किसी दल को तोड़ने की रणनीति आश्चर्य में नहीं डालती, लेकिन पार्टी को बचाने और नेताओं को राजी रखने के यथोचित प्रयासों का न होना ज्यादा चिंताजनक है। गोवा के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब धर्म के नाम पर शपथ लेकर पार्टी विधायक बने लोगों ने पाला बदला है। होंगे ऐसे नेता, जो पार्टी को जोड़ने में लगे हैं, लेकिन कहीं ऐसा न हो कि एक ओर आम लोगों को पार्टी के साथ जोड़ने के प्रयास चल रहे हों और स्वयं पार्टी के नेता ही दल तोड़कर जाने लगें? गुलाम नबी आजाद के जाने से अभी कांग्रेस उबरी नहीं है और कुछ लोग यह मान रहे हैं कि आजाद के जाने से असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ऐसे लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि घड़ा बूंद-बूंद से भरता है। गोवा की चालीस सदस्यीय विधानसभा में अब कांग्रेस के महज तीन विधायक बचे हैं, तो यह जरूर देखना चाहिए कि पार्टी को जोड़कर रखने की जिम्मेदारी किस पर थी? भाजपा नेता और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने तंज किया है कि कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की है, लेकिन मुझे लगता है कि गोवा में कांग्रेस छोड़ो यात्रा शुरू हो गई है। देश भर में लोग कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। यह बात और चिंताजनक है कि दल छोड़कर जाने वाले नेता लंबे समय से नाराज चल रहे थे, सवाल फिर यहीं आ ठहरता है कि इन्हें मनाने की जिम्मेदारी किस पर थी? पार्टी में बहुत से लोगों को पता था कि कांग्रेस टूटने वाली है, फिर भी मौका हाथ से जाने क्यों दिया गया? बेशक, कांग्रेस की पदयात्रा सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है और लोगों का ध्यान भी खींच रही है, लेकिन गोवा की टूट कांग्रेस नेताओं के मनोबल पर असर नहीं डालेगी, यह कहना मुश्किल है। बड़ी संख्या में नेता विगत आठ वर्ष में कांग्रेस छोड़कर गए हैं, लेकिन अब पार्टी को अपनी ज्यादा चिंता करनी चाहिए। आम चुनाव में ज्यादा समय नहीं है और सुधार में कोई भी देरी अब भारी पड़ेगी। महत्वाकांक्षी भारत जोड़ो पदयात्रा का संदेश पूरी पार्टी में सकारात्मक ढंग से जाना चाहिए। मुकाबला मजबूत भाजपा से है, जिसके प्रति किसी न किसी कांग्रेस नेता का मोह दिख जा रहा है। गोवा में अब जब चुनाव होंगे, तब पार्टी को नए सिरे से खुद को खड़ा करना पड़ेगा, वरना कांग्रेस को सत्ता से दूर रखने की विरोधियों की मंशा कोई नई नहीं है।

महंगाई, बेरोजगारी और अनाज का संकट

इस अवधि में भारत ने कुल 121 अरब डॉलर का निर्यात किया और 190 अरब डॉलर का आयात किया। इस तरह 69 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ। यह विदेशी मुद्रा भंडार पर बड़ा बोझ है। भारत में विदेशी निवेश पर्याप्त नहीं आ रहा है और एफआईआई शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। ऊपर से रुपए की गिरती कीमत संभालने के लिए रिजर्व बैंक को बाजार में डॉलर निकालना पड़ रहा है। इन सबका मिला जुला असर यह है कि विदेशी मुद्रा भंडार कम हो रहा है। इस तरह देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अनाज के गोदाम खाली हो रहे हैं और विदेशी मुद्रा भंडार भी कम होता जा रहा है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में साढ़े 13 फीसदी की विकास दर का आंकड़ा देखने के बाद भी यह कहना कि देश की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में हैं, थोड़ा जोखिम भरा काम है। लेकिन हकीकत यही है कि देश की अर्थव्यवस्था बहुत मुश्किल दौर से गुजर रही है। महंगाई सरकार के काबू में नहीं आ रही है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। चालू खाते का घाटा बढ़ रहा है तो बढ़ते आयात बिल और रुपए की गिरती कीमत को संभालने में विदेशी मुद्रा भंडार कम होता जा रहा है। फिर भी रुपया गिरता ही जा रहा है। अनाज का नया संकट देश के सामने खड़ा हो गया है, जिसकी वजह से सरकार को निर्यात पर नियंत्रण करना पड़ रहा है। सरकार एक को संभालने जाती है तब तक दूसरे मोर्चे पर मुश्किल आ जाती है। सरकार बार बार अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत होने की बात करके सवालों से बच रही है और इंतजार कर रही है कि कोई चमत्कार हो जाए तो संकट टले। लेकिन कोई चमत्कार होता नहीं दिख रहा है।

महंगाई का नया आंकड़ा सरकार की मुश्किलें और बढ़ाने वाला है। मई से जुलाई के बीच तीन महीने खुदरा महंगाई की दर गिरने का ट्रेंड था, जिससे लग रहा था कि यह ट्रेंड जारी रहा तो सरकार को बजट में तय लक्ष्य हासिल करने में आसानी होगी। सरकार का लक्ष्य पूरे साल में महंगाई दर को 6.7 फीसदी तक रखने का है। लेकिन अगस्त में महंगाई का ट्रेंड बदल गया। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर बढ़ कर सात फीसदी हो गई। रिजर्व बैंक ने छह फीसदी को महंगाई की सुविधाजनक सीमा माना है। लेकिन भारत में पिछले आठ महीने से महंगाई दर इस सुविधानजक सीमा से ऊपर है। इसे नियंत्रित करने के लिए रिजर्व बैंक ने तीन बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। तीन बार की बढ़ोतरी के बाद रेपो रेट 5.40 फीसदी हो गया है। यह 2019 में कोरोना शुरू होने से पहले के स्तर पर पहुंच गई है। रेपो रेट बढ़ने का सीधा असर यह होता है कि विकास दर प्रभावित होती है। अगर सरकार महंगाई रोकने की कोशिश करती है तो विकास दर गिरेगी और अगर विकास दर बढ़ाने की सोचेगी तो महंगाई बेकाबू होगी। यह एक किस्म का दुष्चक्र है, जिसमें सरकार घिरी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने बताया है कि महंगाई दो कारणों से बढ़ रही है। एक कारण है खाने-पीने की चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी और दूसरा कारण है पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में इजाफा। सरकार चाहे तो इन दोनों कारणों को कुछ हद तक दूर सकती है। सरकार तत्काल पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में कमी कर सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में बड़ी गिरावट हुई है। जून के महीने में कच्चा तेल 116 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया था, जो घटते घटते आठ सितंबर को 88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक बैरल पर 28 डॉलर की गिरावट हुई है लेकिन इसका कोई लाभ उपभोक्ताओं को नहीं मिला है। पेट्रोलियम कंपनियों के घाटे की भरपाई का तर्क दिया जा रहा है, जो बेबुनियाद है। सरकार चाहे तो तत्काल राहत दे सकती है।

इसी तरह खाने-पीने की चीजों की कीमतों में बढ़ती महंगाई को भी सरकार कुछ हद तक काबू में कर सकती है। उसने इस दिशा में एक पहल की है। सरकार ने गेहूं और आटे के बाद अब चावल के निर्यात पर भी पाबंदी लगाई है। टुकड़ा चावल का निर्यात रोक दिया गया है और चावल की कुछ अन्य किस्मों के निर्यात पर 20 फीसदी का शुल्क लगा दिया गया है। इसका असर अगले एक-दो महीने में दिखेगा। सरकार की मुख्य चिंता दालों की होनी चाहिए, जिसकी महंगाई दर बहुत ऊंची है और इस वजह से दालों की खपत में कमी आ रही है। सब्जियों की महंगाई सीजनल है, जिसके जल्दी ठीक हो जाने की उम्मीद है। असल में यह सरकार की बड़ी विफलता है, जो उसे फसलों के बारे में सही जानकारी नहीं थी। अप्रैल में प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत दुनिया का पेट भर सकता है। उन्होंने कहा था कि मां अन्नपूर्णा की कृपा से भारत का खाद्यान्न भंडार भरा हुआ है। लेकिन तब सचमुच ऐसा नहीं था। मार्च में अचानक गर्मी बढ़ने से रबी की फसल खराब हो चुकी थी और सरकार की गेहूं खरीद पिछले साल के मुकाबले आधी रह गई थी। बाद में उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड सहित कई राज्यों में बारिश अच्छी नहीं हुई तो धान की फसल खराब हुई। पंजाब में एक नए वायरस का अटैक हुआ, जिससे पौधे बड़े नहीं हुए, बौने रह गए, इससे भी धान की फसल का नुकसान हुआ। तब सरकार ने आनन-फानन में निर्यात रोकने का फैसला किया। इससे जाहिर होता है कि सरकार की नीतियां दीर्घकालीन नहीं हैं, उसका मार्केट इंटेलीजेंस का सिस्टम ठीक नहीं है और पैदावार का पूर्वानुमान भी बहुत खराब है। बहरहाल, निर्यात रोकने से अनाजों के दाम काबू में आएंगे और सब्जियों के दाम भी जल्दी ही कम हो जाएंगे। इसके बावजूद यह तय माना जा रहा है कि अगले महीने सितंबर का जो आंकड़ा आएगा, उसमें भी महंगाई रिजर्व बैंक की सीमा से ऊपर रहेगी। लगातार तीन तिमाही में महंगाई दर रिजर्व बैंक की सुविधाजनक सीमा से ऊपर रहने का संज्ञान लेते हुए केंद्रीय बैंक फिर से ब्याज दर बढ़ाए तो हैरानी नहीं होगी। लेकिन इसका असर विकास दर पर होगा। अगर हर सेक्टर में विकास दर गिरी होती है तो रोजगार का बड़ा संकट सरकार के सामने होगा। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी यानी सीएमआईई ने रोजगार का अगस्त का जो आंकड़ा जारी किया है उसके मुताबिक बेरोजगारी दर 8.28 फीसदी हो गई है। देश में शहरी बेरोजगारी 9.57 फीसदी और ग्रामीण बेरोजगारी 7.68 फीसदी है। पिछले साल अगस्त के बाद से यह सबसे ज्यादा है। हरियाणा जम्मू कश्मीर और राजस्थान में बेरोजगारी की दर 30 फीसदी से ऊपर हो गई है। रोजगार बढ़ाने के लिए विकास दर में तेजी जरूरी है। लेकिन सरकार की मुश्किल यह है कि वह महंगाई रोके या विकास दर बढ़ाए! दूसरी ओर भारत का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से खाली हो रहा है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 632 अरब डॉलर से घट कर 553 अरब डॉलर रह गया है। करीब 80 अरब डॉलर की कमी आई है। पिछले हफ्ते ही विदेशी मुद्रा भंडार करीब आठ अरब डॉलर कम हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जब साढ़े 13 फीसदी विकास दर का डंका बजाया गया था उसी अवधि में भारत का व्यापार घाटा बढ़ कर 69 अरब डॉलर हो गया। जनवरी से मार्च की तिमाही के मुकाबले यह करीब 15 अरब डॉलर ज्यादा है।

इस अवधि में भारत ने कुल 121 अरब डॉलर का निर्यात किया और 190 अरब डॉलर का आयात किया। इस तरह 69 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ। यह विदेशी मुद्रा भंडार पर बड़ा बोझ है। भारत में विदेशी निवेश पर्याप्त नहीं आ रहा है और एफआईआई शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। ऊपर से रुपए की गिरती कीमत संभालने के लिए रिजर्व बैंक को बाजार में डॉलर निकालना पड़ रहा है। इन सबका मिला जुला असर यह है कि विदेशी मुद्रा भंडार कम हो रहा है। इस तरह देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अनाज के गोदाम खाली हो रहे हैं और विदेशी मुद्रा भंडार भी कम होता जा रहा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**

email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

भ्रष्टाचार के बलबूते प्रभाग क्र.161 खान कम्पाउंड आशापुरा हार्डवेयर के बगल में आशीष बार के गली में राजू नगर ए. के लिंक रोड

साकीनाका में ठेकेदार चिंटू (जितेंद्र दुबे) कर रहा है अवैध निर्माण

नितिन केणी
सहायक अभियंता,
एल विभाग मनपा प्रभाग
क्र.160 ते 164

सहायक अभियंता नितिन केणी इस अवैध निर्माण पर कब करेंगें कार्रवाई?

स्थानिक सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल गफ्फार सूबेदार ने दिनांक 02/08/2022 को लिखित में शिकायत की थी मगर अभी तक कोई कार्रवाई नही हुई है

मुंबई हलचल/अजय उपाध्याय

मुंबई। कुर्ला एल/विभाग मनपा प्रभाग क्र. 161 खान कम्पाउंड आशापुरा इलेक्ट्रिक हार्डवेयर स्टोर के बगल में आशीष बार के गली में राजु नगर एके. लिंक रोड साकीनाका मुंबई- 400072 में कानून कायदों की धज्जियां उड़ाते हुए भ्रष्टाचार के बलबूते ठेकेदार चिंटू जितेंद्र दुबे अवैध निर्माण कर लिया है, जिसकी शिकायत स्थानिक सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल गफ्फार सूबेदार ने दिनांक 02/08/2022 को लिखित में की थी मगर अभी तक कोई कार्रवाई नही हुई है। बताया जा रहा है कि उक्त अनधिकृत निर्माण कार्य मे मनपा अधिकारियों की मिली भगत है जिसके चलते चिंटू जितेंद्र दुबे द्वारा बेखौफ दबंगई करते हुए अनधिकृत दो मंजिला व्यावसायिक गाले का निर्माण किया गया है। जिसपे कार्रवाई करने हेतु मनपा एल विभाग ईमारती खाते में अब्दुल गफ्फार सूबेदार लगातार शिकायतो पर शिकायत कर रहे है किंतु मनपा अधिकारियों के कान पर जूं तक नही रेंग रहा है। गफ्फार सूबेदार का कहना है मनपा अधिकारी कार्रवाई के उद्देश से वहा जाते है तो वहाँ नाश्ता पानी कर वापस हो जाते है और अवैध निर्माण पर कोई कार्रवाई नही की जाती है जिससे यह संशय उत्पन्न होता है कि उक्त अवैध निर्माणा को इनका संरक्षण प्राप्त है अन्यथा अब तक कार्रवाई क्यों नही की गई।

19 वर्षीय युवती और तीन महिलाएं द्वारा किया जा रहा है अपने दम पर सामाजिक कार्य

मुंबई हलचल / समद खान

मुंब्रा। 19 वर्षीय युवती और तीन महिलाएं द्वारा किया जा रहा अपने दम पर सामाजिक कार्य इस मामले में 19 वर्षीय युवती हिना और तीन महिलाएं साजिया शेख, जेनब खान, हसीना सैयद ने दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान से बात करते हुए हिना ने बताया मुझे मेरी मां ने बड़ी दिक्कत से परवरिश की हैं और मुझे आज इस योग बनाया है कि मैं सिलाई, केक बेकिंग, ब्यूटीशियन, यह सब कर सकती हूं और मेरी मंशा है कि जो भी युवती पारिवारिक स्थिति खराब होने के कारण अपनी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाती या कोई कोर्स नहीं कर सकती जिनसे उनका भविष्य सुधर सके और अपने पैरों पर खड़े हो सके उन तमाम युवतियों, शादीशुदा महिलाओं और बच्चों के लिए बड़ा ही सुनहरा अवसर है मैंने उन तमाम युवतियों महिलाओं और बच्चों के लिए मुफ्त में 3 महीने का कोर्स में इंग्लिश स्पीकिंग क्लास, केक बेकिंग, सिलाई, ब्यूटीशियन, मेहंदी, कराटे क्लासेस और नर्सरी से पांचवी कक्षा के छात्र को मुफ्त में ट्यूशन देने की प्रक्रिया शुरू की गई है और इस कार्य में मेरा सहयोग तीन महिलाओं द्वारा किया जा रहा है हम चारों ने मिलकर यह सामाजिक कार्य करने का बीड़ा उठाया है और हम चारों की यही सोच है की युवती और महिलाएं जो शादीशुदा होने के बाद भी कुछ हासिल करना चाहती हैं लेकिन पारिवारिक समस्याओं की वजह से वह नहीं कर पाती उन महिलाओं के लिए भी हमारे यहां सारे विकल्प खुले हुए हैं वह हमारे साथ जुड़कर मुफ्त में 3 महीने में कोर्स सीकर वह अपने पैरों पर खड़े होकर अपने परिवार की दिक्कतें कुछ कम कर सकती है हम लोगों द्वारा हमारी टीचिंग क्लासेस दो जगहों पर शुरू की गई है फकीर शाह ए विंग ग्राउंड फ्लोर रूम नंबर 4 संगम ज्वेलर्स दादी कॉलोनी अमृत नगर मुंब्रा, दूसरी क्लास मदीना पैलेस दूसरा माला रूम नंबर 205 किस्मत कॉलोनी क्वालिटी गार्डन के करीब मुंब्रा यह दो स्थानों पर फिलहाल हमारी क्लासेस शुरू की गई है और जैसी जैसी सीखने वालों की तादाद बढ़ती जाएगी हम अपनी क्लासेस बढ़ाते जाएंगे और हमारी क्लासेस की समय सीमा यह है दोपहर 12:00 बजे से शाम 8:00 बजे तक हमारी क्लास चालू रहेगी और मैं तमाम युवतियों से महिलाओं से और बच्चों से यह निवेदन करती हमसे संपर्क करें और इस सुनहरे लाभ का फायदा उठाएं या आपसे निवेदन किया जाता है हम लोग बहुत जल्द ही हमारी संस्था को रजिस्ट्रेशन करवाएंगे ताकि और भी लोग हमसे जुड़ सके और हमारे संस्था को आगे बढ़ा सके ताकि हम जो भी गरीब तबके के लोग हैं हमारे संस्था के माध्यम से बच्चे युक्तियां और शादीशुदा महिलाएं यह सब कोर्स मुफ्त में सीकर अपने पैरों पर खड़े हो सके यही हमारा मिशन है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

सलमान को फार्महाउस के रास्ते में मारने की थी साजिश

गैंग ने सलमान को उनके फार्म हाउस के रास्ते में मारने का प्लान बनाया था। पंजाब पुलिस ने बताया कि सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या करने से पहले लॉरेंस ने सलमान को मारने की साजिश रची थी। प्लान ए के फेल हो जाने के बाद गैंग ने प्लान बी तैयार किया था। हालांकि, इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। इस प्लान को गोल्डी बराड़ लीड कर रहा था। गोल्डी ने सलमान की हत्या करने के लिए कपिल पंडित (लॉरेंस गैंग का शार्प शूटर) को चुना था और यह तय हुआ था कि पनवेल फार्महाउस जाने के वक्त एक्टर पर जानलेवा हमला किया जाए। मुंबई के पनवेल में कपिल पंडित, सन्तोष जाधव, दीपक मुंडी और बाकी शूटर्स एक किराए का कमरा लेकर रुके थे, क्योंकि यहीं सलमान का फार्म हाउस है। वे करीब डेढ़ महीने तक रुके भी थे। लॉरेंस गैंग के इन सभी शूटर्स ने कमरे में सलमान पर अटैक करने के लिए छोटे हथियार, पिस्टल और कारतूस रखे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, शूटर्स ने यह भी पता किया था कि सलमान खान हिट एंड रन मामले के बाद से गाड़ी की स्पीड कम रखते हैं। सलमान जब भी पनवेल में अपने फार्महाउस पर आते हैं, तब उनके साथ शेरा ही मौजूद होता है। दरअसल, पंजाब पुलिस ने शूटर कपिल पंडित को तीन दिन पहले गिरफ्तार किया था। उसी ने पूछताछ में सलमान की हत्या का खुलासा किया और पूरी साजिश के बारे में बताया। लॉरेंस ने 2018 में जोधपुर कोर्ट में पेश किए जाने के दौरान सलमान को मारने की धमकी दी थी। इसके बाद सलमान सिर्फ दो बार ही जोधपुर में कोर्ट पेशी पर आए। दोनों बार उनकी सुरक्षा सख्त रखी गई। हाल ही में सलमान के वकील को भी धमकी भरा लेटर मिला था। ऐसा ही लेटर उनके पिता सलीम खान को भी मिल चुका था। इसके बाद यह आशंका जताई जा रही थी कि ये लेटर लॉरेंस ने ही भेजे थे।

बेरहम ट्यूशन टीचर!

पेरेंट्स को घटना का पता बच्ची के घर पहुंचने पर चला। वे बच्ची का हाल देखकर डर गए और हॉस्पिटल लेकर गए। ट्यूशन टीचर पर पुलिस ने बाल शोषण के तहत मामला दर्ज कर लिया है। शाम 4 बजे जब उसके पेरेंट्स ने ट्यूशन क्लास में छोड़ा था, तब बच्ची ठीक थी। जब पेरेंट्स उसे लेने पहुंचे तो वह कुछ बोल नहीं पा रही थी। उसके घुटने, कंधे और चेहरे पर जलने के निशान थे। बच्ची के साथ पढ़ने वाले दूसरे बच्चों ने बताया कि उसने अपना होमवर्क ठीक से नहीं किया था। जिसके बाद टीचर को गुस्सा आ गया और उसने बच्ची को सजा दी। पुलिस ने आरोपी टीचर को कारण बताओ नोटिस भेजा है। साथ ही वह मामले से जुड़े सुबूत जुटाने में लगी है, इसके बाद कोर्ट में चार्जशीट दायर करेगी। हालांकि, टीचर ने अपने ऊपर लगे आरोपों को नकार दिया है। इस घटना के बाद से सोसाइटी के बाकी पेरेंट्स अपने बच्चों को ट्यूशन भेजने और मामले के बारे में कुछ भी बोलने से कतरा रहे हैं।

कांग्रेस का दावा

वहां इलेक्ट्रॉनिक्स के सामानों के उत्पादन का इको सिस्टम भी नहीं है। हर ढंग से महाराष्ट्र का कंपनी को दिया गया ऑफर गुजरात से ज्यादा आकर्षक था। इसके बावजूद मोदी सरकार के दबाव में ही प्रोजेक्ट गुजरात ले जाया गया। यह दावा महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सचिन सावंत ने किया है। उनका दावा है कि पहले भी मुकेश अंबानी की रिलायंस समेत कई कंपनियों द्वारा वहां अपने प्रोजेक्ट्स लाने का खयाल इंडस्ट्री के लिए स्टेबल इलाका ना होने की वजह से टाला जा चुका है। उनका दावा है कि वेदांता कंपनी की इंटरनल रिपोर्ट के मुताबिक भी महाराष्ट्र का तलेगांव ही सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए उपयुक्त जगह थी। ढोलेरा में रॉ मटीरियल के सप्लायर और कंपनी के काम आने वाले छोटे-मोटे औजारों और जरूरी चीजों के उत्पादकों की कमी है। ढोलेरा की जमीन भी दलदली है। इसके बावजूद यह प्रोजेक्ट महाराष्ट्र से गुजरात जाने के लिए केंद्र सरकार के दबाव के अवावा और कोई वजह समझ नहीं आती है। वे यह बताना भी नहीं भूलते कि महाराष्ट्र ने कंपनी को ज्यादा सब्सिडी और सहूलियतें ऑफर की थी। इसी तरह सचिन सावंत एक और मिसाल देते हुए कहते हैं कि गूगल और रिलायंस के जियो फोन से जुड़ा एक ज्वाइंट वेंचर भी ढोलेरा से उठ कर तिरुपति चला गया। इसके अलावा लॉकहिड मार्टिन कॉर्पोरेशन नाम की कंपनी ने भी सोलर बैटरी उत्पादन का प्रोजेक्ट पीछे ले लिया।

लखीमपुर में दोनों बहनों का हुआ अंतिम संस्कार

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गैंगरेप की पुष्टि हुई है। पहले गला दबाकर दोनों बहनों की हत्या की गई, फिर फंदे पर शव लटकाया। दोनों बहनों के शव बुधवार शाम करीब 5 बजे एक पेड़ से लटके मिले थे। एक 7वीं और दूसरी 10वीं की छात्रा थी। उधर मां ने आरोप लगाया कि कुछ लड़के बाइक से बेटियों को अगवा कर ले गए, फिर रेप के बाद मर्डर कर दिया। उधर, पुलिस ने सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

अपवा सभी पत्रकारों के हक की लड़ाई लड़ने के लिए कटिबद्ध एवं कृतसंकल्पित हैं: शील गहलौत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोशिएसन (अपवा) बारह प्रदेशों में मजबूती से पत्रकारों की आवाज बुलंद कर रहा है। अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोशिएसन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलौत ने राजस्थान संपादक एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि पत्रकारों का पंजीकृत संगठन अपवा भारत में दर्जन भर से अधिक प्रदेशों में पत्रकारों के आवाज को बुलंद कर रहा है। शासन प्रशासन से पत्रकारों के मूल अधिकारों की मांग करता रहा हैं साथ ही साथ संगठन के विस्तार के लिए अपवा के पदाधिकारी दिन रात मेहनत कर रहे है। बिहार प्रदेश में अपवा अस्सी फीसदी जिलों में संगठन को मजबूत कर लिया है। प्रदेश अध्यक्ष बिहार विनोद कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में प्रदेश के

अधिकतर जिलों में अपवा छोटे बड़े सभी पत्रकारों के हक व अधिकार की लड़ाई लड़ रहा है। इसी सत्र के अन्त से अपवा का आन्दोलन का भी शुभारभ होगा। जिसकी आवाज हर प्रदेशों में एक साथ गूंजेगी। केन्द्र व प्रदेश की सरकार को पत्रकारों के बारे में व उनके कल्याण के बारे में विचार करने के लिये विवश होना होगा। विदित हो कि अपवा पत्रकार आयोग, पत्रकारों को मानदेय, मान्यता प्राप्त समाचार पत्र व इलेक्ट्रॉनिक चैनल के सभी पत्रकारों को अनुभव के आधार पर शासन द्वारा मान्यता प्राप्त की सुविधा, पत्रकारिता के दौरान पत्रकार की अकस्मात घटना, दुर्घटना में मौत होने पर परिजन को आर्थिक मदद के साथ उनके परिजन को सरकारी नौकरी, पत्रकारों के बच्चे के शिक्षण शुल्क में छूट, पत्रकार बीमा, पत्रकार सुरक्षा आदि मांगों को लेकर संघर्षरत है। दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, राजस्थान आदि प्रदेशों में मजबूती से मिशन को मजबूती प्रदान करते हुए पत्रकारों के हक व अधिकार के लिये संघर्ष कर रहा है। वह दिन दूर नहीं है जब केन्द्र व प्रदेश की सरकार अपवा की मांगे भी मानेगी और पत्रकारों को उनकी मूलभूत समस्याओं का निस्तारण भी करेगी।

प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट को सहयोगी के तौर पर लिया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। आजकल दुनिया भर में कॉरपोरेट कर्मचारियों में टीम जुड़ाव बढ़ाने, नए लीडर्स को खोजने और तनाव से लड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए स्पोर्ट्स लीग का आयोजन कर रहे हैं। टी10 कॉर्पोरेट क्रिकेट कार्निवाल गोवा सरकार एवं इटरनल कल्चर की एक पहल है जिससे कॉर्पोरेट मनोरंजन के साथ एक तनावमुक्त माहौल का लुत्फ उठा पाएंगे। गोवा एक ऐसी भूमि है जो छुट्टियों को फिर से परिभाषित करती है। सूर्य, सर्फ और रेत के अपने उत्कृष्ट मिश्रण के साथ, यह हमारे जीवन में शांति और विश्राम के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करता है। गोवा में टी10 कॉर्पोरेट क्रिकेट कार्निवाल मस्ती और खेल का एक आदर्श संयोजन होगा। इस इवेंट में प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट को भी सहयोगी के तौर पर लिया गया है। इटरनल कल्चर के फाउंडर नीरज धीर ने बताया की इस इवेंट के आयोजन में गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉक्टर प्रमोद सावंत जी, खेल मंत्री श्री गोविन्द गौड़े जी एवं जल संसाधन विकास मंत्री सुभाष शिरोडकर के मार्गदर्शन और सहयोग का बड़ा महत्व है। इटरनल कल्चर के कंसलटेंट डॉक्टर राजेश शिरोडकर ने गोवा सरकार को उनके अपार समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। कॉर्पोरेट क्रिकेट कार्निवाल की वाईस प्रेजिडेंट श्रीमती पियाली सिन्हारॉय ने प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के प्रेजिडेंट महेंद्र पांडेय जी की भी प्रशंसा करते हुए समाज में एक स्वस्थ वातावरण की स्थापना की कोशिशों के लिए प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट को बधाई दी।

मैक्सहब ने स्मार्ट क्लासरूम समाधान प्रदर्शित किए

220 एलईडी वॉल और वीडियो कॉन्फरेंसिंग डिवाइसेस शामिल

मुंबई। सहयोगपूर्ण संचार, संवादात्मक क्लासरूम और कॉर्पोरेट डिलीवरी समाधान प्रदान करने वाली कंपनी मैक्सहब इन्फोकॉम 2022 इंडिया में हिस्सा ले रही है। बॉम्बे एक्सबिशन सेंटर में 5 सितंबर से 7 सितंबर 2022 तक यह प्रदर्शन हो रहा है। मैक्सहब ने अपना आधुनिकतम इंटीग्रेटेड क्लासरूम सोल्यूशंस का पोर्टफोलियो यहां प्रदर्शित किया है। मैक्सहब के यह समाधान स्मार्ट क्लासरूम को और भी ज्यादा स्मार्ट बनाते हैं और इनमें ऐसी प्रौद्योगिकियां शामिल हैं जो रिटेल, शिक्षा, हॉस्पिटैलिटी, कॉन्फरेंसिंग आदि में इस्तेमाल के लिए सबसे सही हैं। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में मैक्सहब ने शिक्षा प्रौद्योगिकी के कई उत्पादों की श्रृंखला यहां प्रस्तुत की है। उन्होंने शैक्षणिक प्रणाली के लिए भारत के पहले परिवर्तनकारी और अपनी तरह के अनोखे समाधानों को यहां प्रस्तुत किया है जो बेहतर भविष्य के लिए फ्यूचरिस्टिक क्लासरूम्स बनाने का समर्थन करेंगे। ब्लैकबोर्ड्स के साथ 86 पैनल, ट्रैकिंग कैमरा, ओम्नी-डायरेक्शनल माइक्रोफोन, स्टीरियो स्पीकर्स और रिकॉर्डिंग डिवाइस को यहां प्रदर्शित किया गया है। रिकॉर्डिंग और लाइव प्रसारण क्षमताओं के साथ पूरा स्मार्ट क्लासरूम समाधान शिक्षा परिदृश्य को वास्तव में बदल देगा। इन्फोकॉम 2022 इंडिया में एक आकर्षक 220 एलईडी वॉल को प्रदर्शित किया गया है, जो वास्तव में पूरेशो का बहुत बड़ा आकर्षण बना है। हाल ही में लॉन्च किए गए 75 और 98 एलईडी नॉन-टच डिस्प्ले समाधानों को भी कॉर्पोरेट और एयरपोर्ट परिदृश्य में प्रदर्शित किया गया है। उपभोक्ता यहां पर वीडियो कॉन्फरेंसिंग डिवाइसेस की पूरी अपडेटेड श्रेणी का अनुभव कर पाएंगे। एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (सीवीटीई इंडिया एंड सार्क रीजन) अविनाश जोहरी ने बताया, इन्फोकॉम 2022 इंडिया में भाग लेते हुए हमें बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। इस एक्सपो ने हमारे कोलैबोरेशन और कम्युनिकेशन समाधानों को प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान किया है और हमें ऐसे हितधारकों के साथ जुड़ने का अवसर दिया है जिन्हें एकीकृत समाधानों की आवश्यकता है और जो वास्तविक उत्पादों का वास्तव में अनुभव करना चाहते हैं। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में शिक्षकों को सक्षम बना सकें ऐसी नयी प्रौद्योगिकियों को ढूंढने और समझने में में शिक्षकों की मदद करना हमारा लक्ष्य है। इससे छात्र भी प्रौद्योगिकियों के बारे में जान सकेंगे और उनका इस्तेमाल अपने प्रोफेशनल जीवन में कर पाएंगे। हमें पूरा विश्वास है कि समाधानों की गुणवत्ता व्यवसायों को उनके परिचालन को और भी ज्यादा सक्षम बनाने में मदद करेगी।

लंपी स्किन बिमारी से गौवंशो को बचाने के लिये नाडोल बंद

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

नाडोल गौवंशो में फैली लंपी बीमारी की रोकथाम के लिए गुरूवार को व्यापार मण्डल के आहव्वान पर नाडोल प्रतिष्ठान बंद रहा। नाडोल पंचायत परिसर मे गौभक्त एक बैठक रखकर इस बीमारी के बचाव के लिये हर मानव को गौवंशो मे फैली लंपी बीमारी से बचाव, रोकथाम व उपचार के लिए पर्याप्त मात्रा मे दवाईयों का भामाशाहो, समाज सेवीयो की मदद लेकर गौमाता की सेवा के लिये दिन रात लगे रहने से ही इस बीमारी से बचा जा सकेगा। गौवंशो में फैली लंपी बीमारी की रोकथाम हेतु कई दिनो से सेवा कार्य प्रारम्भ किया जा चुका हैं फिर भी गौ प्रेमियों एवं प्रशासन से अनुरोध किया गौसेवा कर अपने कर्तव्य की पालन करे गौवंशो पर आई इस विपदा में सहयोग करे। इस मौके पर व्यापार मण्डल अध्यक्ष जगदिशसिह, गुलाब सिंह राजपुरोहित, मोहनलाल मेवाडा, ओगडराम सीरवी, धनाराम सीरवी, राजेश कुमार बोहरा, महिपालसिह (कमशा)नरसिह राव, परमानन्द जोशी, श्यादास वैष्णव, महिपालसिह सांलंकी, रमेश मेवाडा, बच्छराज बोहरा, महेन्द्र बोहरा सतिश सोनी, मोहनसिह राजपुरोहित, नरेश बोहरा, प्रविण सोनी, शंकर बंजारा, भलाराम घांची, सहित ग्रामवासीयो ने भाग लिया।

रायसिंहनगर की बेखौफ अधिशासी अधिकारी हंसा मीणा का बुलडोजर चला अवैध बहुमंजिला इमारतों पर

कुछ लोग हंस के मानिंद कर्तव्य पथ पर सदा बढ़ते चले जाते हैं। कुछ लोग कौए की तरह पीछे कांव कांव करके चिल्लाते हैं।

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर नगर में नगरपालिका अधिशासी अधिकारी हंसा मीणा की कार्यशैली से अवैध कोलोनी व नियम विरुद्ध बनी अवैध बहुमंजिला इमारतें धारी बौखलाए हुए हैं। मामला यहीं तक ही सीमित नहीं रह गया हैं। वो इतना जल भून गए हैं कि वो उनका तबादला करवाने पर डटे हुए हैं। इनमें स्थानीय नेता लोग भी अपने वोट बैंक की खातिर उनके सुर में सुर मिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं मगर अधिशासी अधिकारी हंसा मीणा अपने कर्तव्य पथ पर अंगद के पांव की मानिंद डटी हुई है। अधिशासी अधिकारी हंसा मीणा की कार्यशैली को सौ सौ सलाम हैं कि वो एक महिला होते हुए अपने काम

को बड़े शान से अंजाम देने पर आमादा हैं। रायसिंहनगर में अवैध कब्जे थमने का नाम नही ले रहे थे। क्षेत्र में अवैध कब्जे धारी लगातार सरकारी जमीनों को कब्जे में लेकर बहुमंजिला इमारतें खड़ी करने मे जुटे हुए हैं। अवैध कब्जे की सूचनाओं पर कारवाई करने पहुंची ईओ हंसा मीणा की इस कार्रवाई को लेकर माफियाओं ने प्रदर्शन करने शुरू करते हुए ट्रांसफर करवाने की धमकी दी। इतना ही नही धरना प्रदर्शन कर अवैध कब्जे को बने रहने की मांग की गई। आज महिलाएं अपने क्षेत्र में किसी से पीछे नही हैं। यह साबित कर दिखाया हैं हंसा मीणा ने। उन्होंने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि जो कार्रवाई की गई है वह नियम के तहत की गई है और आगे भी यह कार्रवाई बदस्तूर जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि वह नियम के अनुसार निष्पक्ष कार्रवाई कर रही है।

इनका कहना हैं...

सभी काम नियम के तहत किए जा रहे हैं और बहुत से शिकायतें मिली हैं डेवलेपर्स ने आवश्यकतानुसार फेसिलिटी नहीं दी हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आगे भी यह कार्रवाई का सिलसिला बदस्तूर जारी रहेगा। उन पर किसी राजनेता का कोई दबाव नहीं चलेगा।

हंसा मीणा
अधिशासी अधिकारी
रायसिंहनगर नगरपालिका

जनहित के कलमकार रिजवान हिंदी दिवस पर सम्मानित

इंदौर निप्र वरिष्ठ पत्रकार समाजसेवी जनहित के कलमकार तीन दशक/17 नवंबर 1989/ से नियमित निष्पक्ष न्यायिक पत्रकारिता कर रहे धार जिले के मनावर तहसील बाकानेर के वरिष्ठ पत्रकार सैयद रिजवान अली को जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं रोगी कल्याण समिति सदस्य डॉक्टर हाजी असगर हुसैन कुरेशी सलीम शाह आसिफ तौसीफ कुरैशी अशफाक बबलू ने हिंदी दिवस पर प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। डॉक्टर हाजी असगर हुसैन कुरैशी ने कहा पत्रकार रिजवान की कलम से वाले शब्दों पर हमें नाज है उनकी कलम हमेशा न्याय प्रिय सहयोग और आम जनमानस के हित में चली है और समाज और गांव विकास में इनकी कलम से शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित हुआ और समस्या का समाधान हुआ ग्राम से लेकर जनपद जिला जनपद जिला राज्य राष्ट्रीय स्तर पर अनेक बार सम्मानित हो चुके रिजवान को बार-बार सम्मानित करने पर हम गौरवान्वित महसूस करते हैं। प्रेस क्लब आफ वर्किंग जनरलिस्ट प्रदेश उपाध्यक्ष और ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसाइटी इंदौर संभाग मीडिया प्रभारी के पद को भी सुशोभित कर समाज सेवा कर रहे हैं।

छत्रपति शिवाजी विद्यालय (धारावी) में हिंदी दिवस मनाया गया

मुंबई। महात्मा फुले शिक्षण संस्था द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी विद्यालय के प्रांगण मे दिनांक 14 सितंबर 2022के दिन सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियो में राजभाषा हिंदी के प्रति अपनत्व की भावना बलवती हो देश की एकता और अखंडता बनाए रखने में हिंदी के महत्व को समझाया गया। इस सुअवसर पर शिक्षको द्वारा हिंदी दिवस पर भाषण व कविता पाठ किया गया। विद्यार्थियो ने भी बढ़ चढ़ कर इस कार्यक्रम में भाग लिया। बच्चो ने हिंदी में कविताएं प्रस्तुत की। बडे ही हर्षोल्लास के साथ हिंदी दिवस पर आयोजित रंगारंग कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर म.फु.शि. संस्था के सचिव दिलीप शिंदे, श्रीमती वीणा दोनवलकर मॅडम (मुख्याध्यापिका छत्रपति शिवाजी विद्यालय), प्राथमिक विभाग की मुख्याध्यापिका अफरोज मॅडम पर्यवेक्षक श्री काकासाहेब काशीद सर एवं शिक्षकवृंद उपस्थित थे।

पानी निकासी को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र तहसील सोरांव ग्राम-सभा आदमपुर गांव झोखरी पानी निकासी को लेकर दर्जनों से अधिक लोगों ने भारी नाराजगी जाहिर किया है। वही संदीप तिवारी, अनिल केसरवानी, सुधीर जायसवाल,आशीष जयसवाल, सुगा, हरिलाल,अतुल आदि लोगों ने बुधवार को बताया घरों के आस-पास गंदा पानी एकत्रित रहता है। जिससे कई विभिन्न प्रकार की बीमारिया फैलने की संभावना बनी रहती है। तथा बारिश का पानी निकलने कोई रास्ता नहीं है। वही ग्राम समुदाय लोग कई वर्षों से परेशान का सामना करते चले आ रहे हैं। हालांकि अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। सूत्रों के मुताबिक मिली जानकारी के अनुसार कुछ कथित भूमाफियाओ ने जमीन कब्जा करने के प्रयास में लोक-निर्माण विभाग द्वारा बनाए गए थोड़ा बहुत जल निकलने का रास्ता.पुल बंद कर रखा है। वहीं मामले निस्तारण को लेकर दूरभाष के माध्यम से ग्राम प्रधान गीता देवी पटेल. पति डॉ. महेंद्र पटेल से संपर्क किया गया। उन्होंने बताया सरकार के खाते में वजट नहीं है ।रकम आते ही जल्द समस्या का निस्तारण किया जाएगा।

शाहपुरा में मिनी स्विमिंग ओलंपिक 2 अक्टूबर से

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा क्षेत्र में तेराकी मैं बाल प्रतिभाओं को निखारने व उनकी प्रतिस्पर्धा के लिए उचित मंच दिलाने के लिए जिला तैराकी संघ के तत्वावधान में 2 अक्टूबर 2022 गांधी जयंती को शाहपुरा मिनी स्विमिंग ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है जिला तैराकी संघ के सचिव नरेश बूंलिया ने बताया कि यह प्रतियोगिता दो ग्रुप में रखी गई है ग्रुप वन में 9 वर्ष तक के बालक बालिकाएं जिनका जन्म 2013 में या उसके बाद हुआ है ग्रुप टू में 7 वर्ष से कम उम्र के बालक बालिकाएं जिनका जन्म 2015 में अथवा उसके बाद हुआ हो उन को शामिल किया जाएगा ग्रुप वन के लिए 50 मीटर फ्रीस्टाइल , 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक एवं 100 मीटर फ्री स्टाइल कीकिंग, ग्रुप सेकेंड के लिए 25 मीटर फ्री स्टाइल कीकिंग प्रतियोगिता होगी इस प्रतियोगिता में प्रवेश पूरी तरह से निशुल्क रखा गया है प्रतियोगिता के बाद विजेताओं को पारितोषिक दिया जाएगा जिला तैराकी

संघ सचिव नरेश बूंलिया ने बताया कि इच्छुक प्रतियोगी 25 सितंबर तक अपने नाम आयोजन सचिव अंकित मीनू शर्मा और वीरेंद्र ओझा को पंजीकृत कराना होगा प्रतियोगिता 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती के दिन प्रात 8:00 बजे शाहपुरा नगर पालिका तरणताल पर होगी तैराकी में बाल प्रतिभाओं के लिए होने वाली इस प्रतियोगिता का सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। सचिव बूंलिया ने पत्रकार वार्ता में बताया कि शाहपुरा में इस तरह का आयोजन पहली बार हो रहा हैं इसके सकारात्मक परिणाम आने पर इसे प्रतिवर्ष कराया जाएगा इसका उद्देश्य कम उम्र मैं ही बच्चों को तैराकी के प्रति रुचि पैदा करना है वर्तमान में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उम्र की बाध्यता 10 वर्ष की होने से इस प्रकार की प्रतियोगिता से होकर गुजरने से तेराक को आत्मविश्वास होने लगेगा इस प्रकार की आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र से बाल प्रतिभाओं को निखारने का मौका मिलेगा। इस मोके पर राजस्थान स्विमिंग एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष गौतम सिंह चौहान ने प्रतियोगिता आयोजन के लिए 5000 रुपये देने की घोषणा की इस मौके पर भीलवाड़ा स्विमिंग एसोसिएशन के सदस्य प्रताप सिंह राणावत और कोच योगेश बघेरवाल भी उपस्थित थे। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मौत को चिनौती : 7 लाख 65 हजार वोल्ट की करंट की वाली हाईटेशन लाइन के टावर पर चढ़े तीन चोर

क्लंप चुराने के दौरान करंट से मौत के आभास से दो भागे और भयभीत हो एक रबर रिंग पर बैठा, घंटों संघर्ष के बाद चोर को सकुशल उतारने में मिली सफलता, अब फरार चोरों की तलाश में जुटी पुलिस

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। देश में चोरी की घटनाओं के इतिहास में शायद यह पहला मौका है। जब तीन चोर हजारों की कीमत वाले क्लंप को चुराने के लिए 7 लाख 65 हजार वोल्ट के करंट वाली हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गए लेकिन जानबूझकर आसानी से मरना कोई नहीं चाहता इसीलिए जब उन्हें क्लंप खोलने के दौरान करंट से मौत का आभास हुआ तो दूर चोर उतर कर भाग गए जबकि दूसरा करंट लगने की वजह से रबर रिंग में ही बैठ गया जब सुबह उस पर लोगों की नजर पड़ी तो घटना की सूचना पुलिस और फायर सर्विस को दी गई ,जिसके बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने घंटों की मशक्कत के बाद उसे सफल उतारने में सफलता भी प्राप्त की अब पुलिस इस चोर को गिरफ्तार करने के बाद भागे हुए उसके दोनों साथियों की भी तलाश कर रही है। बड़ी से बड़ी चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के इतिहास में इस तरह की पहली घटना यहां कानपुर देहात में हुई। अचंभित करने वाली चोरी की इस घटना के बारे में मिली जानकारी के मुताबिक कानपुर देहात के बारा के नाथ का पुरवा गांव में हाईटेंशन लाइन के टावर पर एक युवक को चढ़ा देखकर ग्रामीणों में अफरा तफरी मच गई। और घटना की सूचना पुलिस व फायर ब्रिगेड को दी गई। जानकारी होते ही पुलिस टीम पहुंच गई और युवक को नीचे उतारने का प्रयास शुरू किया। सबसे पहले पुलिस ने विद्युत अफसरों को सूचना देकर हाईटेंशन लाइन का करंट आपूर्ति बंद कराई। इस बीच जब हाईटेंशन टावर पर रबर रिंग के बीच बैठे युवक से नीचे उतरने का कहा गया तो नीचे आने को तैयार नहीं हुआ। इसपर पुलिस ने फायर ब्रिगेड की टीम के एक सदस्य को सुरक्षात्मक तरीके से टावर पर चढ़ाकर युवक को नीचे उतारने का प्रयास शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद उसे नीचे उतारा जा सका। मौत के मुंह से निकालकर सकुशल बचाए गए कानपुर सचेंडी के धूलभूल गांव में रहने वाले शातिर चोर चंद्रशेखर ने पुलिस को बताया कि वह साथियों के साथ हाईटेंशन लाइन के टावर पर क्लंप चोरी करने के लिए सीढ़ीनुमा एंगल से ऊपर तक पहंचा। उसके साथ दो और साथी भी थे, जो फरार हो गए। पहले करंट न होने के चलते वह ऊपर तार तक पहुंच गया लेकिन बाद में करंट का अहसास होते ही वह रबर लगे क्लंप पर बैठ ताकि बचा रहे। चोर ने पुलिस को यह भी बताया कि क्लंप बाजार में महंगी कीमत पर बिक जाते हैं। इसी के कारण इन्हें चोरी करने का प्लान बनाया। अब पुलिस उसके फरार दो अन्य साथियों की भी तलाश भी कर रही है।

फिर आया मौसम नोट बहाने का! बाढ़ में पैसा बहता है, तब भी हर साल बिहार डूबता है आखिर क्यों?

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव महिला प्रकोष्ठ श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा ने कहा कि बिहार में मांनसून की दस्तक के साथ ही राज्य पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। परिवारों को बेघर होने का सिलसिला शुरू हो चुका है। बिहार की कई नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रही है। पिछले साल बाढ़ से राज्य के करीब 16 जिले और 32 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे। इस साल भी बाढ़ की आशंका जताई जा रही है। श्रीमती सिन्हा ने कहा कि बिहार और बाढ़ इस जोड़ी का साथ इतना पुराना है कि अब ये बिहार बिहारियों के याददाश्त का हिस्सा बन चुका है। ये हर साल आता है, हर साल तबाही मचाती है। और सरकार हर साल विफल हो जाती है आखिर क्यों? कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हथिया नक्षत्र का दोष बताकर पल्ला झाड़ते हैं, सभी फ्लैश फ्लड की बात कहीं जाती है, कभी नेपाल पर ज्यादा पानी छोड़ने का आरोप मढ़ दिया

जाता है, कभी महानंदा नदी दोषी हो जाती है, तो कभी गंडक पर ठीकरा फोड़ दिया जाता है। बिहार में अब तक रहे सरकारों के पास अपने बचाव के यही कुछ गिने चुने शस्त्र हैं। श्रीमती सिन्हा ने कहा कि सवाल है कि हर साल आने वाले बाढ़ से बिहार सरकार किसी साल निपट क्यों नहीं पा रहे हैं? लगभग हर साल बिहार में बाढ़ का आगमन जून-जुलाई तक हो जाता है। ये अक्टूबर तक चलता है। बाढ़ के पानी का स्तर जैसे-जैसे बढ़ता है, मीडिया में बाढ़ की खबरो का स्तर बढ़ते ही मुख्यमंत्री का हवाई सर्वेक्षण बाला वो पल आ जाता है। जिस दिन बाढ़ की खबरों का फ्लो सबसे अधिक होता है। बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा हर साल की जाने वाली रूटिंन तैयारियों को देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है कि वो तैयारी बाढ़ से बचाव के लिए होती है या किसी जलसे के लिए? अगर तैयारी बाढ़ से बचाव के लिए होती है तो लोग बचते क्यों नहीं? श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा ने कहा कि बिहार मे हर साल आने वाली यह जल प्रलय लाखों युवा, महिला,बच्चों समेत हजारो मवेशियों को अपने आगोश में समा लेती हैं। उत्तर बिहार के लोग पलायन करने पर मजबूर हो जाते हैं। सरकार कुछ ना कुछ कह कर अपना पल्ला तो हर साल झाड़ लेती है, लेकिन इस आपदा से बिहार के लोगों को बचाने की जिम्मेदारी किसकी? बाढ़ बचाव राहत के नाम पर करोड़ों रुपया बिहार के जनता का बर्बाद होता है इसका जिम्मेदार कौन? बिहार की जनता इस आपदा से बचने के लिए गुहार किससे लगाएं? उनकी जान-माल की रक्षा की जिम्मेदारी किसकी? पूछता है बिहार।

संस्थान संगम के संपादक डॉ. अशोक अश्रु प्रेरणा हिंदी प्रचार सभा में संरक्षक नियुक्त

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित संस्था प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा ने हिंदी दिवस के सुअवसर पर आगरा उत्तर प्रदेश के विद्वान मनीषी डॉ अशोक अश्रु जी संपादक मासिक पत्रिका संस्थान संगम आगरा को हिंदी सभा का संरक्षक मनोनीत किया है। अपनी विज्ञप्ति में कवि संगम त्रिपाठी ने बताया कि डॉ अशोक अश्रु जी अमृत महोत्सव प्रेरणा हिंदी रथयात्रा का स्वागत वरिष्ठ कवि राजेन्द्र मिलन जी व प्रेमसिंह राजावत जी के साथ किया था और यात्रा की सफलता हेतु बधाई दी थी। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी चर्चित कवि गुरुदीन वर्मा आजाद ने कहा कि डॉ अशोक अश्रु जी देश के वरिष्ठ साहित्यकार हैं व उनकी मासिक पत्रिका संस्थान संगम देश विदेश के रचनाकारों को अपनी पत्रिका में स्थान प्रदान करती है जो कि प्रेरणादायक है। डॉ अशोक अश्रु जी के अनुभवों का लाभ प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा को मिलेगा। प्रेरणा हिंदी प्रचार सभा में कवियों साहित्यकारों समाजसेवियों के निरंतर शामिल होने से हिंदी प्रचार प्रसार में संबल प्राप्त हो रहा है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

व्यापार मंडल द्वारा ऑनलाइन ट्रेडिंग के विरोध में प्रधानमंत्री को जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा ज्ञापन

फिरोजाबाद। जिला फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष माननीय बनवारी लाल कंछल के निर्देशन में जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता मैनेजर के नेतृत्व में जिलाधिकारी रवि रंजन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन दिया गया। ऑन लाइन ट्रेडिंग का विरोध करते हुए निम्न व्यापारी पदाधिकारीयों ने भाग लिया। सर्व प्रवीन कुमार गुप्ता, अमन मिड्ढा, नितिन जैन, पंकज गुप्ता किराना, अजय अग्रवाल, सरफराज अली, सोनू गुप्ता, पवन गुप्ता, अखिलेश गुप्ता, जय प्रकाश, रतन गुप्ता मखनपुर आदि।

देश में हिन्दी को मिलावट से बचाना होगाः दर्शनाचार्या विमलेश बंसल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'हिन्दी दिवस' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल में 443 वां वेबिनार था। उल्लेखनीय है कि 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने राष्ट्र भाषा स्वीकार किया था।वैदिक प्रवक्ता दर्शनाचार्या विमलेश बंसल आर्या ने कहा कि हिन्दी में अन्य भाषाओं की मिलावट चिन्ताजनक है इससे हिन्दी खिचड़ी बनकर अपना वास्तविक स्वरूप खोती जाती है। उन्होंने कहा कि भारत के स्वाभिमान के प्रतीक हिंदी जिसे माथे की बिंदी भी कहा जाता है, आज उर्दू वा अंग्रेजी के भीषण संक्रमण का शिकार हो रही है। विदेशी आयातित भाषाओं की घुसपैठ इस स्तर पर पहुंच गई है कि हम भारतीय भी यह पहिचानने में विस्मृत हो जाते हैं कि यह शब्द उर्दू का है या अंग्रेजी का है, मुगलों वा अंग्रजों की पराधीनता की प्रतीक उर्दू वा अंग्रेजी के इन शब्दों को चुन चुन कर हमें वाणी और लेखनी से बाहर फेंकना होगा, तभी हमारा हिन्दी दिवस मनाना सार्थक होगा।यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि स्वाधीनता के अमृत काल तक भी हम हिन्दी को राष्ट्रभाषा का सम्मान नहीं दिला पाए। स्वभाषा के बिना स्वाधीनता अधूरी है, राष्ट्र गूंगा है। मात्र एक दिवस ही नहीं पूरे 365 दिन हिन्दी को स्वाभिमान के साथ लिखने पढ़ने और बोलने का उपक्रम करना होगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हिन्दी बोलने लिखने में हमे गौरव का अनुभव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द ने भारत को जोड़ने की दूरदर्शिता को बहुत पहले समझा था और गुजराती होते हुए भी अपना सब साहित्य हिन्दी मे ही लिखा था। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री कृष्णा पाहुजा व अध्यक्ष कवियित्री डॉ. रीता जयहिन्द ने भी कहा कि हिन्दी देश को जोड़ने का कार्य करती है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि माँ तो माँ ही होती है हमे दैनिक जीवन में हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। गायिका प्रवीना ठक्कर, रजनी चुघ,कमलेश चांदना, कुसुम भंडारी,सुदर्शन चौधरी, शोभा बत्रा, पिंकी आर्य, ईश्वर देवी,सुनीता अरोड़ा, विजय खुल्लर आदि ने मधुर गीत सुनाए। उक्त जानकारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

रोजाना खाएंगे सिर्फ 10 चेरी तो मिलेंगे ये बेमिसाल फायदे

चेरी मानसून और गर्मियों का फल है। ये खट्टा-मीठा फल खाने में जितना टेस्टी होता है। सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है। इसमें पाए जाने वाले कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, बी और सी, बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, लोहा, पोटेशियम, फॉस्फोरस शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। इन पोषक तत्वों की वजह से चेरी को सुपरफूड की श्रेणी में रखा जाता है। यही पोषक कई प्रॉबलम को दूर करने में मददगार होता है। अगर रोज 10 चेरी खाई जाए तो आप कई बीमारियों से बच सकते हैं।

1. आंखों के लिए फायदेमंद

चेरी में विटामिन ए की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसको खाने से आंखों से संबंधित समस्याएं नहीं होती। जिन लोगों को मोतियाबिंद की समस्या हो उनको रोजाना चेरी खानी चाहिए।

2. याद्दाशत बढ़ाएं

चेरी में याद्दाशत बढ़ाने वाले गुण पाए जाते हैं। जिन लोगों को बातें या चीजें भूलने लगती हैं। उनके लिए चेरी खाना बहुत फायदेमंद होता है।

3. अनिद्रा की समस्या से छुटकारा

चेरी में मेलाटोनिन की बहुत मात्रा होती है, जो अनिद्रा की समस्या से छुटकारा दिलाता है। रोजाना सुबह-शाम 1 गिलास चेरी का जूस पीने से अच्छी नींद आने लगेगी।

4. हड्डियां मजबूत

आजकल बहुत से लोगों को हाथों-पैरों की हड्डियों में दर्द होने या हड्डियां संबंधी कई प्रॉबल्मस होने लगती है। हड्डियों की समस्याओं से राहत पाने के लिए रोजाना चेरी खाएं।

5. दिल को रखे हैल्दी

चेरी में आयरन, मैगनीज, जिंक, पोटेशियम आदि कई पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। इसके साथ ही इसमें बिटा कैरोटीन तत्व भी होता है जो दिल की बीमारी को दूर करने में मदद करता है।

6. कैंसर

चेरी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति देते हैं। इसके साथ ही चेरी में फिनॉनिक एसिड और फ्लेवोनॉयड भी होता है जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के ऊतकों को बढ़ने से रोकते है।

7. वजन करें कंट्रोल

जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए चेरी किसी औषधि से कम नहीं है। चेरी में वसा की मात्रा बहुत कम पाई जाती है। इसके साथ 70 % पानी होता है जो घुलनशील फाइबर के लिए अच्छा होता है। रोजाना चेरी खाने वजन कंट्रोल में रहने के साथ ही पाचन तंत्र मजबूत होता।

8. ब्लड प्रैशर रखे ठीक

चेरी में पोटेशियम की मात्रा होती है जो शरीर में स्थित सोडियम की मात्रा कम कर देता है। इस वजह से शरीर का रक्तचाप स्तर सामान्य हो जाता है। इसी के साथ कोलेस्ट्रोल का स्तर भी कंट्रोल में रहता है।

9. डायबिटीज में सहायक

रोजाना चेरी खाने से डायबिटीज की समस्या से राहत पाई जा सकती है। चेरी में पाए जो वाले गुण चेहरे की रंगत को साफ करने से साथ ही शरीर में इन्सुलिन की मात्रा को कम करके डायबिटीज के स्तर को कम करता है।

10. त्वचा में लाएं निखार

त्वचा को सॉफ्ट बनाने और रंगत निखारने के लिए चेरी का फल खाएं। आप चाहे तो चेरी का पेस्ट बनाकर भी चेहरे पर लगा सकते हैं। चेरी के पेस्ट को नियमित रूप से चेहरे पर लगाने से मृत कोशिकाएं हट जाती है। डैड सैल्स हटने से चेहरे पर निखार आने लगता है।

स्किन को ग्लोइंग और बेदाग रखने के लिए लगाएं केले से बनी होममेड क्रीम

केला हर सीजन में आसानी से उपलब्ध होने वाला फल है, जिसका इस्तेमाल सीरप व ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में भी किया जाता हैं। केले से स्वास्थ्य संबंधी कई प्रॉबल्म तो दूर होती है साथ ही इसके अलग-अलग इस्तेमाल से चेहरे की कई समस्याएं भी झट से गायब हो जाती हैं। केले का इस्तेमाल डार्क सर्कल्स, चेहरे की रंग निखारने, पिंपल्स व घुटनों और कोहनियों का कालापन दूर करने के लिए भी किया जाता हैं। कई फैश क्रीम, फेस मास्क और फैसपेक के रूप में भी इसका यूज होता हैं लेकिन मार्कीट में मिलने वाले इन ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में अन्य कई कैमिकल्स भी मिलाए जाते है, जो हर किसी की स्किन पर सूट नहीं करते है इसलिए बेहतर है कि होममेड तरीके से केले से बनी क्रीम्स और फेसपैक व फेसमास्क का इस्तेमाल करके अपनी खूबसूरती को निखारा जाए, ताकि हमारी त्वचा को किसी प्रकार का कोई नुकसान न हो। आज हम आपको केले से बनी होममेड क्रीम्स बनाना सिखाएंगे, जो आपकी स्किन को नरिशिंग करके स्किन की कई प्रॉबल्म से दूर करेगी।

बनाना क्रीम बनाने की सामग्री

- 1/2 केला
- 3 बड़े चम्मच दूध

बनाने का तरीका

1. केले को छोटे-छोटे स्लाइस में काट लें। फिर इन स्लाइस को बाउल में डालकर अच्छे से मैश करें।
2. फिर इसमें दूध डालकर अच्छे से मिक्स करके पेस्ट बना लें।
3. अब इस क्रीम को अपनी उंगुलियों की मदद से चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 3 से 4 मिनट तक चेहरे पर लगी रहने दें।
4. इस क्रीम को चेहरे से उतारने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। फिर अपने चेहरे और गर्दन को तौलिए से अच्छे से सूखा लें।

ध्यान रखने वाली बात

अगर आपकी स्किन नॉर्मल है तो यह बनाना क्रीम बैस्ट है। इस क्रीम को लगाने से चेहरे पर ग्लो बना रहता है और स्किन नरिशिंग होती हैं।

खून की कमी और इंफेक्शन दूर करने के लिए रोज पीएं इस फल का 1 गिलास जूस

खून की कमी की वजह से हमारे शरीर में एनर्जी कम होने लगती हैं और जब शरीर में एनर्जी कम होने लगती हैं तो बॉडी में थकान, चेहरे पर पीलापन, हाथ पैर का सुन्न होना व अन्य कई तरह की प्रॉब्लम्स शुरू हो जाती हैं। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह प्रॉब्लम आगे कई अन्य समस्याओं को बढ़ा देता है। उसी तरह ब्लड इंफेक्शन होने पर भी कई तरह की प्रॉब्लम्स हो सकती हैं।

अगर आप खून की कमी या इंफेक्शन से ग्रस्त हैं तो आपको इस स्पैशल जूस का सेवन करना चाहिए। यह आपके खून की कमी को पूरा कर ब्लड इंफैक्शन को दूर करेगा। रोजाना एक गिलास इस जूस का सेवन करें। क्रेनबेरी जूस यानी कि करौंदे का जूस, इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है इसके अलावा इसमें विटामिन ए, एस्कॉर्बिक एसिड और ऊर्जा से भरपूर होता है जो एनीमिया, कब्ज, पाचन संबंधी समस्याओं को दूर रखता है।

1. यूरिनेरी ट्रैक्ट इंफेक्शन

इस जूस से पाचन समस्याओं के साथ मूत्र प्रणाली के रोग भी दूर होते हैं। क्रैनबेरी जूस में प्रोएंथोसायनडिंस होते हैं, जो ब्लैडर की वॉल पर बैक्टीरिया और कोशिकाओं को मिलने से रोकते हैं। साथ ही यूरिन के रास्ते गंदे बैक्टीरिया को शरीर से बाहर भी निकालते हैं।

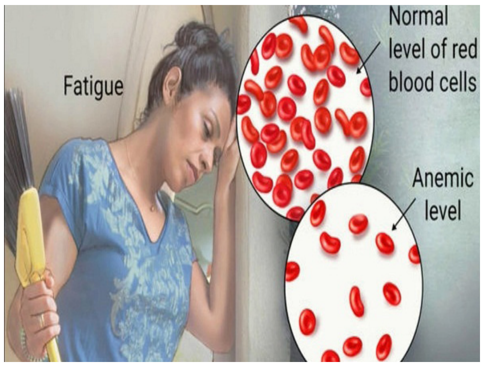

2. मसूड़ों की समस्या

यह दांतों को सड़न से बचाने के साथ सांस की दुर्गन्ध को भी रोकता है हालांकि इस जूस में शुगर की मात्रा अधिक होती है, तो बेहतर रहेगा कि दिन में क्रैनबेरी का जूस केवल एक गिलास ही पीएं।

3. दिल के रोगों व डायबिटीज

क्रैनबेरी जूस दिल के रोगों और डायबिटीज से बचाने में मददगार है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है जिससे दिल संबंधी रोग नहीं होते। क्रैनबेरी में मौजूद पॉलफिनॉल हमारे शरीर को बीमारियों से बचाने वाले सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। रोज 2 गिलास लो-कैलरी क्रैनबेरी जूस पीने से दिल की बीमारियों का खतरा 10 फीसदी तक कम हो जाता है।

4. वजन घटाएं व रक्तचाप कम करें

अगर आप रोजाना इस जूस का सेवन करते हैं तो इससे स्तन कैंसर से बचा जा सकता है। इसमें कम कैलोरी होने के कारण, यह वजन घटाने में भी सहायक है। हाई ब्लड प्रैशर वालों के लिए भी यह जूस फायदेमंद है। इसे पीने से रक्तचाप कम होता है। इस जूस से ब्यूटी से जुड़े फायदे भी मिलते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पूजा भट्ट ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस और फिल्ममेकर पूजा भट्ट ने हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म ब्रह्मास्त्र को लेकर बात की है। पूजा भट्ट का मानना है कि नफरत की कीमत ज्यादा नहीं होती, शायद इसलिए यह जोर से लगती है। हिंदी फिल्म उद्योग, जिसका वह तीन दशकों से अधिक समय से हिस्सा रही हैं। बॉक्स ऑफिस की खामोशी और सोशल मीडिया पर व्याप्त नकारात्मकता के दौर से गुजर रही है, लेकिन पूजा बेफिक्र है। हाल ही में एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में पूजा भट्ट ने कहा कि, टिकट खरीदने वाले दर्शकों को सोशल मीडिया पर किसी भी एजेंडे या नफरत की परवाह नहीं है। जब वे सिनेमा हॉल में प्रवेश करते हैं, तो वे केवल मनोरंजन चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैंने ब्रह्मास्त्र देखी, पहले दिन का पहला शो सुबह 9 बजे। मैं 14 लोगों के समूह के साथ थी, दर्शकों का एक बड़ा वर्ग वहां फिल्म देखने के लिए था। वो पूरी तरह से फिल्म इंजॉय कर रहे थे और वे पूरी तरह से प्रतिक्रिया दे रहे थे। पूजा ने आगे कहा कि सिनेमाहॉल में दर्शक फिल्म की तारीफ करने में कंजूसी नहीं कर रहे थे। वे थिएटर में आपकी फिल्म देखने के लिए आते हैं आपसे नफरत करने के लिए नहीं। सारी नफरत सोशल मीडिया पर है, क्योंकि इसकी कीमत ज्यादा नहीं है। लेकिन टिकट खरीदने में इसकी लागत होती है। आप इस उम्मीद में टिकट नहीं खरीदते हैं कि फिल्म खराब होगी। जब हमने उन्हें निराश किया, तो उन्होंने हमें बताया। जब हम नहीं करते हैं, तो वे तालियां बजाते हैं और हमें इतना प्यार देते हैं।

कार्तिक आर्यन की पार्टनर बनीं रश्मिका मंदाना

बॉलीवुड के इस साल के सबसे हिट एक्टर कहे जाने वाले कार्तिक आर्यन की झोली में अब एक और प्रोजेक्ट आ गयी हैं। दरअसल 'भूल भुलैया 2' के ब्लॉकबस्टर हिट होने के बाद कार्तिक के सितारे बुलंदियों पर हैं। वही हाल ही में कार्तिक आर्यन की साउथ की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के साथ फोटो शेयर की है। जिसके बाद फैंस इन दोनों की जोड़ी देखकर कई तरह के कयास और बातें भी बना रहे हैं। दरअसल इन दोनों की जोड़ी फिल्म के लिए नहीं बल्कि विज्ञापन के लिए बनाई गयी हैं। कार्तिक और रश्मिका सौंदर्य विज्ञापन में नजर आएंगे। इसी से संबंधित कार्तिक ने रश्मिका के साथ फोटो शेयर की है। वही इस तस्वीर को शेयर कर कार्तिक ने रश्मिका को अपना वाओ पार्टनर बताया है। लेकिन इस तस्वीर को देखने के बाद लोग अब ये भी कयास लगा रहे की इन दोनों की जोड़ी फिल्म 'आशिकी 3' में भी नजर आ सकती हैं। दरअसल हाल ही में अनुराग बसु की निर्देशन में बन रही फिल्म 'आशिकी 3' की अनाउंसमेंट की गयी थी। जिसमे लीड एक्टर के तौर पर कार्तिक आर्यन का नाम तो फाइनल कर लिया गया हैं। लेकिन अभी तक कार्तिक के अपोजिट और लीड एक्ट्रेस की नाम का मुहर नहीं लग पाया हैं।

कंगना पर चढ़ा विक्की कौशल का बुखार

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी की शूटिंग मे बिजी हैं। इमरजेंसी का निर्देशन भी खुद कंगना ही कर रही हैं साथ ही वह इस फिल्म में एक्टिंग भी कर रही है। कंगना सोशल मीडिया पर भी अपने फैंस के साथ फिल्म के सेट की अनसीन तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर कंगना रनौत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वह विक्की कौशल का फेमस डायलॉग बोलती दिखाई दे रही हैं। अभिनेता विक्की कौशल स्टारर उरी द सर्जिकल स्ट्राइक को रिलीज हुए लगभग 3 साल पूरे हो चुके हैं। इस फिल्म से विक्की की एक्टिंग सफर की नई शुरूआत हुई थी क्योंकि इस फिल्म में विक्की कौशल के अभिनय की हर शख्स ने तारीफ की थी। इतने साल बाद भी आज भी फिल्म का डायलॉग 'हाउज द जोश' हर किसी की जुबान पर चढ़ा हुआ है। वीडियो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, टीम इमरजेंसी का जोश हमेशा हाई रहता है। वीडियो में कंगना अपनी टीम के साथ ट्रेन के आगे खड़ी दिख रही हैं तो कुछ क्रू मेंबर्स पटरी के ऊपर खड़े हैं।